2013 — अबतक आए वाक्यांश के लिए एक शब्द।

- जो जाना न जा सके — अज्ञेय
- पीछे चलने वाला — अनुगामी
- उपकार को मानने वाला — कृतज्ञ
- ईश्वर में विश्वास रखने वाला — आस्तिक
- ईश्वर में विश्वास न रखने वाला — नास्तिक
- जो व्यक्ति अधिक बोलता हो — वाचाल
- आदि से अन्त तक — अद्योपान्त
- जिसका उच्चारण न किया जा सके — अनुच्चारित
- गोद लिया हुआ पुत्र — दत्तक
- जिस पर चिन्ह लगाया गया हो — चिह्नित
- शरण में आया हो — शरणार्थी
- जिसे भुलाया न जा सके — अविस्मरणीय
- सहने शक्ति हो — सहिष्णु
- नष्ट होने वाला — नश्वर

- जिसका अन्त सुखमय हो — सुखान्त
- जो वन्दना के योग्य हो — वन्दनीय
- सेना ठहरने का स्थान — छावनी
- शास्त्रों की अच्छी जानकारी वाला — शास्त्रज्ञ
- आशा से अधिक — आशातीत
- जनसाधारण के गीत — लोकगीत
- सदैव रहने वाला — शाश्वत
- जो परिणय सूत्र में न बंधा हो — अपरिणीत
- न करने योग्य — अयोग्य
- बिना पलक गिराए — निर्निमेष
- जिसके पास कुछ न हो — अकिंचन
- जो ममत्व से रहित हो — निर्मम
- जो शोक करने योग्य न हो — अशोच्य
- आवश्यकता से अधिक वर्षा — अतिवृष्टि
- जिसके बिना काम न चल सके — अपरिहार्य

- दोपहर के बाद का समय — अपराह्न
- जिसकी सीमा न हो — सीमाहीन / असीम
- अपने को धोखा देने वाला — आत्मप्रवंचक
- जानने की इच्छा रखने वाला — जिज्ञासु
- रात्रि में विचरण करने वाला — रात्रिचर / निशाचर
- जो क्षमा करने योग्य — क्षम्य
- जिसका शत्रु न जन्मा हो — अजातशत्रु
- थोड़ा जानने वाला — अल्पज्ञ
- जिसका अनुभव किया गया हो — अनुभूत
- जिसके समान कोई दूसरा न हो — अद्वितीय
- जो निन्दा के योग्य हो — निन्दनीय
- जो फूल खिला न हो — मुकुल
- जिसकी उपमा न हो — अनुपम
- सदा सत्य बोलने वाला — सत्यवादी
- थोड़ी देर में नष्ट हो जाने वाला — क्षणभंगुर

- जिसे जीता न जा सके — अजेय
- दूसरों पर आश्रित रहनेवाला — पराश्रीत
- जो कठिनाई से समझ आए — दुर्ज्ञेय
- तीव्र बुद्धिवाला — मेधावी
- दूसरों के दोष ढूँढ़नेवाला — छिद्रान्वेषी
- सिर से पैर तक — आपादमस्तक
- जिसका वर्णन न हो सके — अवर्णनीय / वर्णनातीत
- रास्ता दिखाने वाला — पथ-प्रदर्शक
- जिसको क्षमा न किया जा सके — अक्षम्य
- जिससे किसी की तुलना न की जा सके — अतुलनीय
- जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों — महत्त्वाकाँक्षी
- विदेश में रहनेवाला — विदेशी
- धरती आकाश के मध्य का स्थान — अंतरिक्ष
- जिसका दमन न किया जा सके — अदम्य
- जिसकी आशा न की गयी हो — आशातीत

- कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य करने कराने का समझौता —— संविदा
- अधिक समय तक जीने का इच्छुक — जिजीविषु
- किसी काम को चित्त लगाकर करने वाला — दत्तचित्त

Gyansindhu Coaching Classes

- सर्वसाधारण से सम्बन्धित — सार्वजनिक
- राज्य के प्रधान शासक द्वारा दिया गया/निकाला गया आदेश —— शासनादेश
- प्रायः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखायी देने वाला सात रंगों वाला धनुष —— इन्द्रधनुष
- जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो — अन्यमनस्क
- सारे शरीर की हड्डियों का ढाँचा — कंकाल
- जिसके चार पैर होते हैं —— चौपाया
- समुद्र में लगने वाली आग —— बड़वाग्नि
- खाने की इच्छा — बुभुक्षु
- कम खर्च करने वाला —— मितव्ययी
- जिसका हृदय टूट चुका हो — भग्नहृदय

- नीति को जानने वाला — नीतिज्ञ
- अनुचित बात के लिए आग्रह — दुराग्रह
- कम बोलने वाला — अल्प/मितभाषी
- किसी भी पक्ष का समर्थन न करने वाला — तटस्थ
- किसी वस्तु को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा — लालसा
- अपनी इच्छा से दूसरों की सेवा करने वाला — स्वयंसेवी
- दूसरे के स्थान पर काम करने वाला — उत्तराधिकारी
- उपकार को न मानने वाला — कृतघ्न
- पत्नी मर गयी हो उसको — विधुर
- जिसका अन्त न हो — अनन्त
- आर-पार ने देखा जा सके — अपारदर्शी
- जिसका करना इच्छा पर निर्भर हो — स्वेच्छा/ऐच्छिक
- जहाँ कोई दूसरा न हो — एकच्छत्र
- जिसका एक मात्र अधिकार हो — एकाधिकार
- जो कल्पना से परे हो — कल्पनातीत

- इतिहास से सम्बन्धित — ऐतिहासिक
- जिसका कोई आधार न हो — निराधार
- अपराध न किया हो वो — निरपराधी
- दूसरों के अधीन — पराधीन
- जो कठिनता से समझ में आए — दुर्ज्ञेय
- जो आँखो के सामने हो — प्रत्यक्ष
- अभी-2 स्नान किया हुआ — सद्यस्नात
- जो सबकुछ जानने वाला हो — सर्वज्ञ
- सौवर्षों का समय — शताब्दी
- सामान्य नियम के विरुद्ध — नियम विरुद्ध
- जो पहले कभी नहीं हुआ हो — अभूतपूर्व
- सत्य में दृढ़ विश्वास हो — सत्यनिष्ठ
- जंगल में स्वयं लगने वाली आग — दावाग्नि / दावानल
- जिसे कहा न जा सके — अकथनीय
- जो कभी जन्म नहीं ले — अजन्मा